

शिक्षा का स्वर और उसकी भूमिका (The Essence and Role Education) →

इसमें यह स्वीकार किया गया है कि सबके लिए शिक्षा हमारे भौतिक एवं अध्यात्मिक विकास की बुनियादी आवश्यकता है। शिक्षा मनुष्य को सुसंस्कृत बनाती है और संबन्धनीय बनाती है, जिससे राष्ट्रीय एकता विकसित होती है। यह

यह मनुष्य में स्वतंत्र चिन्तन एवं सौच सम्झ की क्षमता उत्पन्न करती है जिससे हमें लोक-तंत्रीय लक्ष्य-समानता, स्वतंत्रता, आवृत्त, न्याय, समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता की प्राप्ति कर सकते हैं, आर्थिक विकास कर सकते हैं और अपने वर्तमान एवं भविष्य का निर्माण कर सकते हैं। शिक्षा वास्तव में एक उत्तम निवेश (Investment) है।

राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली - (National System of Education) →

राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली में संविधान की मूल धारणा - 'एक निश्चित स्तर तक बिना किसी भेदभाव के सभी को समान शिक्षा उपलब्ध हो' को सर्वप्रथम बरिमत दी जानी चाहिए साथ ही पूरे देश में समान शिक्षा संरचना 10+2+3 लागू होनी चाहिए। इसमें प्रथम 10 वर्षीय शिक्षा की ऐसी आधार-मूल पाठ्यक्रम (Core curriculum) तैयार होनी चाहिए जिसके द्वारा राष्ट्रीय मूल्यों और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का निर्माण हो सके। साथ ही प्रत्येक स्तर की शिक्षा का न्यूनतम अधिग्रहण स्तर (Minimum level of learning) निश्चित होना चाहिए और उसमें गुणात्मक सुधार होना चाहिए।

समानता के लिए शिक्षा (Education for Equality) →

इसमें इस पर बल दिया गया कि शिक्षा

के क्षेत्र की विषमताओं को दूर किया जाना चाहिए और महिलाओं, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, पिछड़े वर्गों, अल्पसंख्यकों, बिकलांगों और प्रौढ़ों की शिक्षा के लिए विशेष प्रयत्न किये जाने चाहिए।

विभिन्न स्तरों पर शिक्षा का पुनर्गठन, शिक्षाओं की देखभाल और शिक्षा (Reorganization of Education at Different Stage - Early childhood care and Education) →

पूर्व प्राथमिक स्तर पर शिक्षाओं के घोषणा, प्राथमिक स्तर पर बच्चों की रुचिपूर्ण क्रियाओं, माध्यमिक स्तर पर ज्ञान निर्धारक विद्यालयों (Peer Setting Schools) की स्थापना और उच्च स्तर पर स्कूलों केवलविद्यालयों की स्थापना पर बल दिया गया है साथ ही यह घोषणा की गई है कि कुछ न्यून हस्त क्षेत्रों में शैक्षणिकों को उपाधियों से विलास करने की शुरुआत की जाएगी।

तकनीकी एवं प्रबंध शिक्षा (Technical and Management Education) →

इसमें तकनीकी एवं प्रबंध शिक्षा के महत्व को स्पष्ट किया गया है और इसकी समुचित व्यवस्था पर बल दिया गया है।

शिक्षा व्यवस्था को कारगर बनाना (Making the System Work) →

Date _____

Page _____

शिक्षा के प्रशासनिक तंत्र को सक्रिय बनाने,
शिक्षकों की जवाबदेही निश्चित करने और
शिक्षार्थियों को कर्तव्य बोध करने पर बल
दिया गया है।